Exo

Chapter 32

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

עַל־	הָעָם	וַיִּקָּהֵל	הָהָר	מִן־	לָרֶדֶת	מֹשֶׁה	בֹשֵׁשׁ	כִּי־	הָעָם	וַיַּרְא
पर-	लोग	और-इकट्ठे-हुए	पर्वत	से-	उतरने-को	मूसा	देर-कर-रहा-है	कि-	लोगों	और-देखा
		H6950	H2022		H3381	H4872	H0954			H7200

כִּי־	לְפָנֵינוּ	יֵלְכוּ	אֲשֶׁר	אֱלֹהִים	לָנוּ	עֲשֵׂה־	קוּם	אֵלָיו	וַיֹּאמְרוּ	אַהֲרֹן
क्योंकि-	हमारे-आगे	चलें	जो	देवताओं	हमारे-लिए	बनाओ-	उठो	उससे	और-उन्होंने-कहा	हारून
	H6440	H3212		H0430				H0413	H0559	H0175

לוֹ׃	הָיָה	מֶה־	יָדַעְנוּ	לֹא	מִצְרַיִם	מֵאֶרֶץ	הֶעֱלָנוּ	אֲשֶׁר	הָאִישׁ	מֹשֶׁה	זֶה
उसे	हो-गया	क्या-	हम-जानते	न	मिस्र	देश-से	हमें-निकाल-लाया	जो	पुरुष	मूसा	यह
	H1961	H4100	H3045	H3808	H4714	H0776	H5927		H0376	H4872	H2088

लोगों ने देखा कि लम्बा समय निकल गया और मूसा पर्वत से नीचे नहीं उतरा। इसलिए लोग हारून के चारों ओर इकट्ठा हुए। उन्होंने उससे कहा, "देखो, मूसा ने हमें मिस्र देश से बाहर निकाला। किन्तु हम यह नहीं जानते कि उसके साथ क्या घटित हुआ है। इसलिए कोई देवता हमारे आगे चलने और हमें आगे ले चलने वाला बनाओ।"

2

בְּנֵיכֶם	נְשֵׁיכֶם	בְּאָזְנֵי	אֲשֶׁר	הַזָּהָב	נִזְמֵי	פָּרְקוּ	אַהֲרֹן	אֲלֵהֶם	וַיֹּאמֶר
तुम्हारे-पुत्रों	तुम्हारी-पत्नियों	कानों-में	जो	सोने	बालियाँ	तोड़ो	हारून	उनसे	और-कहा
	H0802	H0241		H2091	H5141	H6561	H0175	H0413	H0559

אֵלָי׃	וְהָבִיאוּ	וּבְנֹתֵיכֶם
मेरे-पास	और-लाओ	और-तुम्हारी-बेटियों
H0413	H0935	H1323

हारून ने लोगों से कहा, "अपनी पत्नियों, पुत्रों और पुत्रियों के कानों की बालियाँ मेरे पास लाओ।"

3

אַהֲרֹן׃	אֶל־	וַיָּבִיאוּ	בְּאָזְנֵיהֶם	אֲשֶׁר	הַזָּהָב	נִזְמֵי	אֶת־	הָעָם	כָּל־	וַיִּתְפָּרְקוּ
हारून	पास-	और-लाए	उनके-कानों-में	जो	सोने	बालियाँ	को-	लोगों	सब-	और-तोड़े
H0175	H0413	H0935	H0241		H2091	H5141	H0853		H3605	H6561

इसलिए सभी लोगों ने कान की बालियाँ इकट्ठी कीं और वे उन्हें हारून के पास लाए।

4

וַיֹּאמְרוּ	מַסֵּכָה	עֵגֶל	וַיַּעֲשֵׂהוּ	בַּחֶרֶט	אֹתוֹ	וַיָּצַר	מִיָּדָם	וַיִּקַּח
और-उन्होंने-कहा	ढला-हुआ	बछड़ा	और-बनाया-उसे	छेनी-से	उसे	और-आकार-दिया	उनके-हाथ-से	और-लिया
H0559		H5695		H2747	H0853	H3335	H3027	H3947

מִצְרָיִם׃	מֵאֶרֶץ	הֶעֱלוּךָ	אֲשֶׁר	יִשְׂרָאֵל	אֱלֹהֶיךָ	אֵלֶּה
मिस्र	देश-से	तुझे-निकाल-लाए	जो	इस्राएल	तेरे-देवता	ये
H4714	H0776	H5927		H3478	H0430	H0428

हारून ने लोगों से सोना लिया, और एक बछड़े की मूर्ति बनाने के लिए उसका उपयोग किया। हारून ने मूर्ति बनाने के लिए मूर्ति को आकार देने वाले एक औज़ार का उपयोग किया। तब इसे उसने सोने से मढ़ दिया। तब लोगों ने कहा, "इस्राएल के लोगों, ये तुम्हारे वे देवता हैं जो तुम्हें मिस्र से बाहर ले आया।"

5

לַיהוָה	חַג	וַיֹּאמַר	אַהֲרֹן	וַיִּקְרָא	לְפָנָיו	מִזְבֵּחַ	וַיִּבֶן	אַהֲרֹן	וַיַּרְא
यहोवा-के-लिए	पर्व	और-कहा	हारून	और-पुकारा	उसके-सामने	वेदी	और-बनाया	हारून	और-देखा
H3068	H2282	H0559	H0175	H7121	H6440	H4196	H1129	H0175	H7200

מָחָר׃
कल
H4279

हारून ने इन चीज़ों को देखा। इसलिए उसने बछड़े के सम्मुख एक वेदी बनाई। तब हारून ने घोषणा की। उसने कहा, "कल यहोवा के लिए विशेष दावत होगी।"

6

וַיַּשְׁכִּימוּ	और-जल्दी-उठे	H7925
מִמָּחֳרָת	अगले-दिन	H4283
וַיַּעֲלוּ	और-चढ़ाए	H5927
עֹלֹת	होमबलियाँ	
וַיַּגִּשׁוּ	और-निकट-लाए	H5066
שְׁלָמִים	मेलबलियाँ	H8002
וַיֵּשֶׁב	और-बैठे	H3427
הָעָם	लोग	
לֶאֱכֹל	खाने-को	H0398
וְשָׁתוֹ	और-पीने-को	H8354
וַיָּקֻמוּ	और-उठे	
לְצַחֵק׃	खेलने-को	H6711
פ	¶	

> अगले दिन सुबह लोग शीघ्र उठ गए। उन्होंने जानवरों को मारा और होमबलि तथा मेलबलि चढ़ाई। लोग खाने और पीने के लिये बैठे। तब वे खड़े हुए और उनकी एक उन्मत्त दावत हुई।

7

וַיְדַבֵּר	और-बोला	H1696
יְהוָה	यहोवा	H3068
אֶל־	से-	H0413
מֹשֶׁה	मूसा	H4872
לֶךְ־	जा-	H3212
רֵד	उतर	H3381
כִּי	क्योंकि	
שִׁחֵת	बिगाड़-दिया-है	H7843
עַמְּךָ	तेरे-लोगों	
אֲשֶׁר	जो	
הֶעֱלֵיתָ	तूने-निकाला	H5927
מֵאֶרֶץ	देश-से	H0776
מִצְרָיִם׃	मिस्र	H4714

> उसी समय यहोवा ने मूसा से कहा, “इस पर्वत से नीचे उतरो। तुम्हारे लोग अर्थात् उन लोगों ने, जिन्हें तुम मिस्र से लाए हो, भयंकर पाप किया है।

8

סָרוּ	मुड़-गए-हैं	H5493
מַהֵר	जल्दी	
מִן־	से-	
הַדֶּרֶךְ	मार्ग	H1870
אֲשֶׁר	जो	
צִוִּיתִם	मैंने-आज्ञा-दी-उन्हें	H6680
עָשׂוּ	बनाया-है	
לָהֶם	अपने-लिए	
עֵגֶל	बछड़ा	H5695
מַסֵּכָה	ढला-हुआ	
וַיִּשְׁתַּחֲווּ־	और-दण्डवत-की-	H7812
לוֹ	उसे	
וַיִּזְבְּחוּ־	और-बलिदान-किए-	H2076
לוֹ	उसे	
וַיֹּאמְרוּ	और-कहा	H0559
אֵלֶּה	ये	H0428
אֱלֹהֶיךָ	तेरे-देवता	H0430
יִשְׂרָאֵל	इस्राएल	H3478
אֲשֶׁר	जो	
הֶעֱלוּךָ	तुझे-निकाल-लाए	H5927
מֵאֶרֶץ	देश-से	H0776
מִצְרָיִם׃	मिस्र	H4714

> उन्होंने उन चीज़ों को करने से शीघ्रता से इन्कार कर दिया है जिन्हें करने का आदेश मैंने उन्हें दिया था। उन्होंने पिघले सोने से अपने लिए एक बछड़ा बनाया है। वे उस बछड़े की पूजा कर रहे हैं और उसे बलि भेंट कर रहे हैं। लोगों ने कहा है, ‘इस्राएल, ये देवता है जो तुम्हें मिस्र से बाहर लाए हैं।’”

9

וַיֹּאמֶר	और-कहा	H0559
יְהוָה	यहोवा	H3068
אֶל־	से-	H0413
מֹשֶׁה	मूसा	H4872
רָאִיתִי	मैंने-देखा-है	H7200
אֶת־	को-	H0853
הָעָם	लोगों	
הַזֶּה	इस	H2088
וְהִנֵּה	और-देखो	H2009
עַם־	लोग-	
קְשֵׁה־	कड़ी-	H7186
עֹרֶף	गर्दन	H6203
הוּא׃	है-यह	H1931

> यहोवा ने मूसा से कहा, “मैंने इन लोगों को देखा है। मैं जानता हूँ कि ये बड़े हठी लोग हैं जो सदा मेरे विरुद्ध जाएंगे।

10

וְעַתָּה	और-अब	H6258
הַנִּיחָה	छोड़-दे	H3240
לִּי	मुझे	
וְיִחַר־	और-भड़के-	H2734
אַפִּי	मेरा-क्रोध	H0639
בָהֶם	उन-पर	
וַאֲכַלֵּם	और-मैं-नाश-करूँ	H3615
וְאֶעֱשֶׂה	और-मैं-बनाऊँगा	
אוֹתְךָ	तुझे	H0853
לְגוֹי	जाति-के-लिए	
גָּדוֹל׃	बड़ी	

> इसलिए अब मुझे इन्हें क्रोध करके नष्ट करने दो। तब मैं तुझसे एक महान राष्ट्र बनाऊँगा।”

אַפֶּךָ	יֶחֱרֶה	יְהוָה	לָמָּה	יַאמַר	אֱלֹהָיו	יְהוָה	פְּנֵי	אֶת־	מֹשֶׁה	וַיְחַל	11
तेरा-क्रोध	भड़के	यहोवा	क्यों	और-कहा	अपने-परमेश्वर	यहोवा	मुख	को-	मूसा	और-मनाया	
H0639	H2734	H3068	H4100	H0559	H0430	H3068	H6440	H0853	H4872		

חֲזָקָה׃	וּבְיָד	גְּדוֹל	בְּכֹחַ	מִצְרַיִם	מֵאֶרֶץ	הוֹצֵאתָ	אֲשֶׁר	בְּעַמֶּךָ
बलवन्त	और-हाथ-से	बड़ी	शक्ति-से	मिस्र	देश-से	तूने-निकाला	जो	तेरे-लोगों-पर
H2389	H3027			H4714	H0776	H3318		

> किन्तु मूसा ने अपने परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना की। मूसा ने कहा, "हे यहोवा, तू अपने क्रोध को अपने लोगों को नष्ट न करने दे। तू अपार शक्ति और अपने बल से इन्हें मिस्र से बाहर ले आया।

וּלְכַלֹּתָם	בֶּהָרִים	אֹתָם	לַהֲרֹג	הוֹצִיאָם	בְּרָעָה	לֵאמֹר	מִצְרַיִם	יֹאמְרוּ	לָמָּה	12
और-समाप्त-करने-को-उन्हें	पहाड़ों-में	उन्हें	मारने-को	निकाला-उन्हें	बुराई-से	कहकर	मिस्री	कहें	क्यों	
H3615	H2022	H0853	H2026	H3318		H0559	H4713	H0559	H4100	

לְעַמֶּךָ׃	הָרָעָה	עַל־	וְהִנָּחֵם	אַפֶּךָ	מֵחָרוֹן	שׁוּב	הָאֲדָמָה	פְּנֵי	מֵעַל
अपने-लोगों-के-लिए	बुराई	पर-	और-पछता	तेरे-क्रोध	से-जलन	फिर	पृथ्वी	मुख	ऊपर-से
			H5162	H0639	H2740	H7725	H0127	H6440	

> किन्तु यदि तू अपने लोगों को नष्ट करेगा तब मिस्र के लोग कह सकते हैं, 'यहोवा ने अपने लोगों के साथ बुरा करने की योजना बनाई। यही कारण है कि उसने इनको मिस्र से बाहर निकाला। वह उन्हें पर्वतों में मार डालना चाहता था। वह अपने लोगों को धरती से मिटाना चाहता था।' इसलिए तू लोगों पर क्रुद्ध न हो। अपना क्रोध त्याग दे। अपने लोगों को नष्ट न कर।

בְּךָ׀	לָהֶם׀	נִשְׁבַּעְתָּ	אֲשֶׁר	עֲבָדֶיךָ	וּלְיִשְׂרָאֵל	לְיִצְחָק	לְאַבְרָהָם׀	זְכֹר	13
अपने-आपसे	उनसे	तूने-शपथ-खाई	जिनसे	तेरे-दासों	और-इस्राएल-को	इसहाक-को	अब्राहाम-को	याद-कर	
		H7650		H5650	H3478	H3327	H0085	H2142	

אֲשֶׁר	הַזֹּאת	הָאָרֶץ	וְכָל־	הַשָּׁמָיִם	כְּכוֹכְבֵי	זַרְעֲכֶם	אֶת־	אַרְבֶּה	אֲלֵהֶם	וַתְּדַבֵּר
जो	यह	भूमि	और-सारी-	आकाश	तारों-जैसे	तुम्हारे-वंश	को-	बहुत-करूँगा	उनसे	और-तूने-कहा
	H2063	H0776	H3605	H8064	H3556	H2233	H0853		H0413	H1696

לְעֹלָם׃	וְנָחֲלוּ	לְזַרְעֲכֶם	אֶתֵּן	אֲמַרְתִּי
सदा-के-लिए	और-वे-विरासत-में-पाएं	तुम्हारे-वंश-को	दूँगा	मैंने-कहा
H5769	H5157	H2233	H5414	H0559

> तू अपने सेवक इब्राहीम, इसहाक और इस्राएत (याकूब) को याद कर। तूने अपने नाम का उपयोग किया और तूने उन लोगों को वचन दिया। तूने कहा, 'मैं तुम्हारे लोगों कों उतना अनगिनत बनाऊँगा जितने आकाश में तारे हैं। मैं तुम्हारे लोगों को वह सारी धरती दूँगा जिसे मैंने उनको देने का वचन दिया है। यह धरती सदा के लिए उनकी होगी।'"

פ	לְעַמּוֹ׃	לַעֲשׂוֹת	דִּבֶּר	אֲשֶׁר	הָרָעָה	עַל־	יְהוָה	וַיִּנָּחֶם	14
¶	अपने-लोगों-को	करने-को	उसने-कहा-था	जो	बुराई	पर-	यहोवा	और-पछताया	
			H1696				H3068	H5162	

> इसलिए यहोवा ने लोगों के लिए अफ़सोस किया। यहोवा ने वह नहीं किया जो उसने कहा कि वह करेगा अर्थात् लोगों को नष्ट नहीं किया।

כְּתֻבִים	לֻחֹת	בְּיָדָו	הָע�ֵדֻת	לֻחֹת	וּשְׁנֵי	הָהָר	מִן־	מֹשֶׁה	וַיֵּרֶד	וַיִּפֶן	15
लिखी-हुई	पट्टियाँ	अपने-हाथ-में	साक्ष्य	पट्टियाँ	और-दोनों	पर्वत	से-	मूसा	और-उतरा	और-मुड़ा	
H3789	H3871	H3027	H5715	H3871	H8147	H2022		H4872	H3381	H6437	

כְּתֻבִים׃	הֵם	וּמִזֶּה	מִזֶּה	עֶבְרֵיהֶם	מִשְּׁנֵי
लिखी-हुई	वे	और-उस-ओर-से	इस-ओर-से	उनकी-तरफों	दोनों-से
H3789	H1992	H2088	H2088	H5676	H8147

> तब मूसा पर्वत से नीचे उतरा। मूसा के पास आदेश वाले दो समतल पत्थर थे। ये आदेश पत्थर के सामने तथा पीछे दोनों तरफ लिखे हुए थे।

הַלֻּחֹת׃	עַל־	חָרוּת	הִוא	אֱלֹהִים	מִכְתָּב	וְהַמִּכְתָּב	הֵמָּה	אֱלֹהִים	מַעֲשֵׂה	וְהַלֻּחֹת	16
पट्टियों	पर-	खुदी-हुई	था-वह	परमेश्वर	लेख	और-लेख	थीं-वे	परमेश्वर	काम	और-पट्टियाँ	
H3871		H2801	H1931	H0430	H4385	H4385	H1992	H0430	H4639	H3871	

> परमेश्वर ने स्वयं उन पत्थरों को बनाया था और परमेश्वर ने स्वयं उन आदेशों को उन पत्थरों पर लिखा था।

17

Hebrew	Hindi	Strong
וַיִּשְׁמַע	और-सुना	H8085
יְהוֹשֻׁעַ	यहोशूआ	H3091
אֶת־	को-	H0853
קוֹל	आवाज़	
הָעָם	लोगों	
בְּרֵעֹה	उनके-शोर-में	H7452
וַיֹּאמֶר	और-कहा	H0559
אֶל־	से-	H0413
מֹשֶׁה	मूसा	H4872
קוֹל	आवाज़	
מִלְחָמָה	युद्ध	H4421
בַּמַּחֲנֶה׃	छावनी-में	H4264

जब वे पर्वत से उतर रहे थे यहोशू ने लोगों का उन्मत्त शोर सुना। यहोशू ने मूसा से कहा, “नीचे पड़ाव में युद्ध की तरह का शोर हैं!”

18

Hebrew	Hindi	Strong
וַיֹּאמֶר	और-कहा	H0559
אֵין	नहीं	H0369
קוֹל	आवाज़	
עֲנוֹת	पुकारने-की	
גְבוּרָה	शक्ति	H1369
וְאֵין	और-नहीं	H0369
קוֹל	आवाज़	
עֲנוֹת	पुकारने-की	
חֲלוּשָׁה	कमज़ोरी	H2476
קוֹל	आवाज़	
עַנּוֹת	गाने	
אָנֹכִי	मैं	H0595
שֹׁמֵעַ׃	सुन-रहा-हूँ	H8085

मूसा ने उत्तर दिया, “यह सेना का विजय के लिये शोर नहीं है। यह हार से चिल्लाने वाली सेना का शोर भी नहीं है। मैं जो आवाज़ सुन रहा हूँ वह संगीत की है।”

19

Hebrew	Hindi	Strong
וַיְהִי	और-हुआ	H1961
כַּאֲשֶׁר	जब	
קָרַב	निकट-आया	H7126
אֶל־	के-पास-	H0413
הַמַּחֲנֶה	छावनी	H4264
וַיַּרְא	और-देखा	H7200
אֶת־	को-	H0853
הָעֵגֶל	बछड़ा	H5695
וּמְחֹלֹת	और-नाच	H4246
וַיִּחַר־	और-भड़का-	H2734
אַף	क्रोध	H0639
מֹשֶׁה	मूसा	H4872
וַיַּשְׁלֵךְ	और-फेंका	H7993
]מידו[	¶	H3027
)מִיָּדָיו(	अपने-हाथों-से	H3027
אֶת־	को-	H0853
הַלֻּחֹת	पट्टियों	H3871
וַיְשַׁבֵּר	और-तोड़-दिया	H7665
אֹתָם	उन्हें	H0853
תַּחַת	नीचे	H8478
הָהָר׃	पर्वत	H2022

जब मूसा डेरे के समीप आया तो उसने सोने के बछड़े और गाते हुए लोगों को देखा। मूसा बहुत क्रोधित हो गया और उसने उन विशेष पत्थरों को ज़मीन पर फेंक दिया। पर्वत की तलहटी में पत्थरों के कई टुकडें हो गए।

20

Hebrew	Hindi	Strong
וַיִּקַּח	और-लिया	H3947
אֶת־	को-	H0853
הָעֵגֶל	बछड़े	H5695
אֲשֶׁר	जो	
עָשׂוּ	उन्होंने-बनाया-था	
וַיִּשְׂרֹף	और-जलाया	H8313
בָּאֵשׁ	आग-में	H0784
וַיִּטְחַן	और-पीसा	H2912
עַד־	जब-तक-	H5704
אֲשֶׁר־	जो-	
דָּק	बारीक	H1854
וַיִּזֶר	और-बिखेरा	H2219
עַל־	पर-	
פְּנֵי	मुख	H6440
הַמַּיִם	पानी	H4325
וַיַּשְׁקְ	और-पिलाया	H8248
אֶת־	को-	H0853
בְּנֵי	पुत्रों	
יִשְׂרָאֵל׃	इस्राएल	H3478

तब मूसा ने लोगों के बनाए बछड़े को नष्ट कर दिया। उसने इसे आग में गला दिया। उसने सोने को तब तक पीसा जब तक यह चूर्ण न हो गया और उसने उस चूर्ण को पानी में फेंक दिया। उसने इस्राएल के लोगों को वह पानी पीने को विवश किया।

21

Hebrew	Hindi	Strong
וַיֹּאמֶר	और-कहा	H0559
מֹשֶׁה	मूसा	H4872
אֶל־	से-	H0413
אַהֲרֹן	हारून	H0175
מֶה־	क्या-	H4100
עָשָׂה	किया	
לְךָ	तेरे-साथ	
הָעָם	लोगों	
הַזֶּה	इस	H2088
כִּי־	कि-	
הֵבֵאתָ	तूने-लाया	H0935
עָלָיו	उस-पर	
חֲטָאָה	पाप	H2401
גְדֹלָה׃	बड़ा	

मूसा ने हारून से कहा, “इन लोगों ने तुम्हारे साथ क्या किया? तुम उन्हें ऐसा बुरा पाप करने की ओर क्यों ले गए?”

22

Hebrew	Hindi	Strong
וַיֹּאמֶר	और-कहा	H0559
אַהֲרֹן	हारून	H0175
אַל־	न-	H0408
יִחַר	भड़के	H2734
אַף	क्रोध	H0639
אֲדֹנִי	मेरे-स्वामी	H0113
אַתָּה	तू	
יָדַעְתָּ	जानता-है	H3045
אֶת־	को-	H0853
הָעָם	लोगों	
כִּי	कि	
בְרָע	बुराई-में	
הוּא׃	है-यह	H1931

हारून ने उत्तर दिया, “महाशय, क्रोधित मत हो। आप जानते हैं कि ये लोग सदा गलत काम करने को तैयार रहते हैं।

23

וַיֹּאמְרוּ	לִי	עֲשֵׂה־	לָנוּ	אֱלֹהִים	אֲשֶׁר	יֵלְכוּ	לְפָנֵינוּ	כִּי־	זֶה	מֹשֶׁה
और-उन्होंने-कहा	मुझसे	बनाओ-	हमारे-लिए	देवताओं	जो	चलें	हमारे-आगे	क्योंकि-	यह	मूसा
H0559				H0430		H3212	H6440		H2088	H4872

הָאִישׁ	אֲשֶׁר	הֶעֱלָנוּ	מֵאֶרֶץ	מִצְרַיִם	לֹא	יָדַעְנוּ	מֶה־	הָיָה	לוֹ׃
पुरुष	जो	हमें-निकाल-लाया	देश-से	मिस्र	न	हम-जानते	क्या-	हो-गया	उसे
H0376		H5927	H0776	H4714	H3808	H3045	H4100	H1961	

> लोगों ने मुझ से कहा, 'मूसा हम लोगों को मिस्र से बाहर लाया। किन्तु हम लोग नहीं जानते कि उसके साथ क्या घटित हुआ।' इसलिए हम लोगों का मार्ग दिखाने वाला कोई देवता बनाओ,

24

וָאֹמַר	לָהֶם	לְמִי	זָהָב	הִתְפָּרָקוּ	וַיִּתְּנוּ־	לִי	וָאַשְׁלִכֵהוּ	בָאֵשׁ
और-मैंने-कहा	उनसे	किसके-पास	सोना	उतारो	और-उन्होंने-दिया-	मुझे	और-मैंने-डाला-उसे	आग-में
H0559		H4310	H2091	H6561	H5414		H7993	H0784

וַיֵּצֵא	הָעֵגֶל	הַזֶּה׃
और-निकला	बछड़ा	यह
H3318	H5695	H2088

> इसलिए मैंने लोगों से कहा, 'यदि तुम्हारे पास सोने की अंगूठियाँ हों तो उन्हें मुझे दे दो।' लोगों ने मुझे अपना सोना दिया। मैंने इस सोने को आग में फेंका और उस आग से यह बछड़ा आया।"

25

וַיַּרְא	מֹשֶׁה	אֶת־	הָעָם	כִּי	פָרֻעַ	הוּא	כִּי־	פְרָעֹה	אַהֲרֹן
और-देखा	मूसा	को-	लोगों	कि	उच्छृंखल	थे-वे	क्योंकि-	उच्छृंखल-होने-दिया-था-उन्हें	हारून
H7200	H4872	H0853				H1931			H0175

לְשִׁמְצָה	בְּקָמֵיהֶם׃
अपमान-के-लिए	अपने-शत्रुओं-में
H8103	

> मूसा ने देखा कि हारून ने विद्रोह उत्पन्न किया है। लोग मूर्खो की तरह उग्र व्यवहार इस तरह कर रहे थे कि उनके सभी शत्रु देख सकें।

26

וַיַּעֲמֹד	מֹשֶׁה	בְּשַׁעַר	הַמַּחֲנֶה	וַיֹּאמֶר	מִי	לַיהוָה	אֵלָי	וַיֵּאָסְפוּ	אֵלָיו
और-खड़ा-हुआ	मूसा	फाटक-में	छावनी	और-कहा	कौन	यहोवा-के-लिए	मेरे-पास	और-इकट्ठे-हुए	उसके-पास
H5975	H4872	H8179	H4264	H0559	H4310	H3068	H0413	H0622	H0413

כָּל־	בְּנֵי	לֵוִי׃
सब-	पुत्र	लेवी
H3605		H3878

> इसलिए मूसा डेरे के द्वार पर खड़ा हुआ। मूसा ने कहा, "कोई व्यक्ति जो यहोवा का अनुसरण करना चाहता है मेरे पास आए" तब लेवी के परिवार के सभी लोग दौड़कर मूसा के पास आए।

27

וַיֹּאמֶר	לָהֶם	כֹּה־	אָמַר	יְהוָה	אֱלֹהֵי	יִשְׂרָאֵל	שִׂימוּ	אִישׁ־	חַרְבּוֹ	עַל־
और-कहा	उनसे	यों-	कहता-है	यहोवा	परमेश्वर	इस्राएल	लगाओ	हर-एक-	अपनी-तलवार	पर-
H0559		H3541	H0559	H3068	H0430	H3478		H0376	H2719	

יְרֵכוֹ	עִבְרוּ	וָשׁוּבוּ	מִשַּׁעַר	לָשַׁעַר	בַּמַּחֲנֶה	וְהִרְגוּ	אִישׁ־	אֶת־	אָחִיו
अपनी-जाँघ	जाओ	और-लौटो	फाटक-से	फाटक-तक	छावनी-में	और-मारो	हर-एक-	को-	अपने-भाई
H3409		H7725	H8179	H8179	H4264	H2026	H0376	H0853	H0251

וְאִישׁ	אֶת־	רֵעֵהוּ	וְאִישׁ	אֶת־	קְרֹבוֹ׃
और-हर-एक	को-	अपने-पड़ोसी	और-हर-एक	को-	अपने-निकट
H0376	H0853	H7453	H0376	H0853	H7138

> तब मूसा ने उनसे कहा, "मैं तुम्हें बताऊँगा कि इस्राएल का परमेश्वर यहोवा क्या कहता है 'हर व्यक्ति अपनी तलवार अवश्य उठा ले और डेरे के एक सिरे से दूसरे सिरे तक जाये। तुम लोग इन लोगों को अवश्य दण्ड दोगे चाहे किसी व्यक्ति को अपने भाई, मित्र और पड़ोसी को ही क्यों न मारना पड़े।'"

28

Hebrew	Hindi	Strong
וַיַּעֲשׂוּ	और-किया	
בְנֵי־	पुत्र-	
לֵוִי	लेवी	H3878
כִּדְבַר	वचन-के-अनुसार	H1697
מֹשֶׁה	मूसा	H4872
וַיִּפֹּל	और-गिरे	H5307
מִן־	से-	
הָעָם	लोगों	
בַּיּוֹם	दिन-में	H3117
הַהוּא	उस	H1931
כִּשְׁלֹשֶׁת	लगभग-तीन	H7969
אַלְפֵי	हज़ार	H0505
אִישׁ׃	पुरुष	H0376

लेवी के परिवार के लोगों ने मूसा का आदेश माना। उस दिन इस्राएल के लगभग तीन हज़ार लोग मरे।

29

Hebrew	Hindi	Strong
וַיֹּאמֶר	और-कहा	H0559
מֹשֶׁה	मूसा	H4872
מִלְאוּ	भरो	H4390
יֶדְכֶם	अपना-हाथ	H3027
הַיּוֹם	आज	H3117
לַיהוָה	यहोवा-के-लिए	H3068
כִּי	क्योंकि	
אִישׁ	हर-एक	H0376
בִּבְנוֹ	अपने-पुत्र-में	
וּבְאָחִיו	और-अपने-भाई-में	H0251
וְלָתֵת	और-देने-को	H5414
עֲלֵיכֶם	तुम-पर	
הַיּוֹם	आज	H3117
בְּרָכָה׃	आशीर्वाद	H1293

तब मूसा ने कहा, “यहोवा ने आज तुम को ऐसे लोगों के रूप में चुना है जो अपने पुत्रों और भाईयों को आशीर्वाद देंगे।”

30

Hebrew	Hindi	Strong
וַיְהִי	और-हुआ	H1961
מִמָּחֳרָת	अगले-दिन	H4283
וַיֹּאמֶר	और-कहा	H0559
מֹשֶׁה	मूसा	H4872
אֶל־	से-	H0413
הָעָם	लोगों	
אַתֶּם	तुम	
חֲטָאתֶם	पाप-किया-है	H2398
חֲטָאָה	पाप	H2401
גְדֹלָה	बड़ा	
וְעַתָּה	और-अब	H6258
אֶעֱלֶה	मैं-चढ़ूँगा	H5927
אֶל־	पास-	H0413
יְהוָה	यहोवा	H3068
אוּלַי	शायद	H0194
אֲכַפְּרָה	मैं-प्रायश्चित्त-करूँ	
בְּעַד	के-लिए	H1157
חַטַּאתְכֶם׃	तुम्हारे-पाप	

अगली सुबह मूसा ने लोगों से कहा, “तुम लोगों ने भयंकर पाप किया है। किन्तु अब मैं यहोवा के पास ऊपर जाऊँगा और ऐसा कुछ कर सकूँगा जिससे वह तुम्हारे पापों को क्षमा कर दें।”

31

Hebrew	Hindi	Strong
וַיָּשָׁב	और-लौटा	H7725
מֹשֶׁה	मूसा	H4872
אֶל־	पास-	H0413
יְהוָה	यहोवा	H3068
וַיֹּאמַר	और-कहा	H0559
אָנָּא	हाय	H0577
חָטָא	पाप-किया-है	H2398
הָעָם	लोगों	
הַזֶּה	इस	H2088
חֲטָאָה	पाप	H2401
גְדֹלָה	बड़ा	
וַיַּעֲשׂוּ	और-उन्होंने-बनाया	
לָהֶם	अपने-लिए	
אֱלֹהֵי	देवताओं	H0430
זָהָב׃	सोने	H2091

इसलिए मूसा वापस यहोवा के पास गया और उसने कहा, “कृपया सुन! इन लोगों ने बहुत बुरा पाप किया है और सोने का एक देवता बनाया है।

32

Hebrew	Hindi	Strong
וְעַתָּה	और-अब	H6258
אִם־	यदि-	
תִּשָּׂא	तू-क्षमा-करे	H5375
חַטָּאתָם	उनके-पाप	
וְאִם־	और-यदि-	
אַיִן	नहीं	H0369
מְחֵנִי	मिटा-दे	
נָא	कृपाकरके	H4994
מִסִּפְרְךָ	तेरी-पुस्तक-से	
אֲשֶׁר	जो	
כָּתָבְתָּ׃	तूने-लिखी-है	H3789

अब उन्हें इस पाप के लिये क्षमा कर। यदि तू क्षमा नहीं करेगा तो मेरा नाम उस किताब से मिटा दें जिसे तूने लिखा है।”

33

Hebrew	Hindi	Strong
וַיֹּאמֶר	और-कहा	H0559
יְהוָה	यहोवा	H3068
אֶל־	से-	H0413
מֹשֶׁה	मूसा	H4872
מִי	जो	H4310
אֲשֶׁר	जिसने	
חָטָא־	पाप-किया-है-	H2398
לִי	मेरे-विरुद्ध	
אֶמְחֶנּוּ	मिटाऊँगा-उसे	
מִסִּפְרִי׃	अपनी-पुस्तक-से	

किन्तु यहोवा ने मूसा से कहा, “जो मेरे विरुद्ध पाप करते हैं केवल वे ही ऐसे लोग हैं जिनका नाम मैं अपनी पुस्तक से मिटाता हूँ।

יֵלֵךְ	מַלְאָכִי	הִנֵּה	לְךָ	דִּבַּרְתִּי	אֲשֶׁר־	אֶל	הָעָם	אֶת־	נְחֵה	וְלֵךְ	וְעַתָּה	34
चले	मेरा-दूत	देख	तुझसे	मैंने-कहा	जो-	की-ओर	लोगों	को-	ले-चल	जा	और-अब	
H3212	H4397	H2009		H1696		H0413		H0853	H5148	H3212	H6258	

חַטָּאתָם׃	עֲלֵיהֶם	וּפָקַדְתִּי	פָּקְדִי	וּבְיוֹם	לְפָנֶיךָ
उनका-पाप	उन-पर	और-मैं-दंड-दूँगा	मेरे-दंड-करने	और-दिन-में	तेरे-आगे
				H3117	H6440

> इसलिए जाओ और लोगों को वहाँ ले जाओ जहाँ मैं कहता हूँ। मेरा दूत तुम्हारे आगे आगे चलेगा और तुम्हें रास्ता दिखाएगा। जब उन लोगों को दण्ड देने का समय आएगा जिन्होंने पाप किया है तब उन्हें दण्ड दिया जायेगा।”

עָשָׂה	אֲשֶׁר	הָעֵגֶל	אֶת־	עָשׂוּ	אֲשֶׁר	עַל	הָעָם	אֶת־	יְהוָה	וַיִּגֹּף	35
बनाया-था	जो	बछड़े	को-	उन्होंने-बनाया-था	जो	पर	लोगों	को-	यहोवा	और-मारा	
		H5695	H0853					H0853	H3068	H5062	

ס	אַהֲרֹן׃
¶	हारून
	H0175

> इसलिए यहोवा ने लोगों में एक भयंकर बीमारी उत्पन्न की। उन्होंने यह इसलिए किया कि उन लोगों ने हारून से सोने का बछड़ा बनाने को कहा था।